गुर प्रसाद सब जानिअ राजा। कहिअ न आपन जानि अकाजा।।
मख रखवारि करि दुहुं भाइ। गुरू प्रसाद सब बिद्या पाइ।।
सहित समाज तुम्हार हमारा। घर बन गुर प्रसाद रखवारा।।
|| मानस गुरूप्रसाद || Ram Katha 982- Harvard-Massachusetts, USA || *मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 29 | इंदौर, बुधवार 19 अगस्त, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

-- बाबा तुलसी जयंती --

रामचरितमानस सिर्फ महाकाव्य नहीं है तुलसीदास जी इसे महामंत्र कहते है - पू. मोरारी बापू

।। मेटत कठिन कुंअक भाल के।।

तुलसी तुलसी तुलसी तुलसी
तुलसी तुलसी तुलसी तुलसी
तुलसी तुलसी तुलसी तुलसी
तुलसी तुलसी तुलसी तुलसी

।। हमारी प्रणाम ।।

कोलकाता में भीषण अग्निकांड

होटल में आग लगने से 9 बांग्लादेशी नागरिकों की दर्दनाक मौत

कोलकाता, (एजेंसी)। कोलकाता में बुधवार तड़के एक होटल में भीषण आग लग जाने से बड़ा हादसा हो गया, इस अग्निकांड में कम से कम 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग आज तड़के लगी जब होटल में ठहरे अधिकांश लोग सो रहे थे. धुएं का गुबार और लपटें उठती देख परिसर में अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया.

अग्निशमन विभाग के मुताबिक, आग लगने की यह घटना कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित एक होटल में हुई जहां तड़के करीब 2 बजे आग लग गई और तुरंत ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया. 9 लोगों की मौके पर मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए. मरने वाले बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए यहां आए थे. आग के बाद उठे धुएं के कारण दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और सीढ़ियों से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचना मुश्किल हो गया. दमकल विभाग की टीम ने काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है. हालांकि, आग किस वजह से लगी यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुट गई है.

पाइप लाइन टेस्टिंग के दौरान धंसी 40 करोड़ की सड़क बाल-बाल बचे राहगीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में 24 घंटे वॉटर सप्लाई के लिए बिछाई गई नई पाइप लाइन की टेस्टिंग के दौरान एक सड़क धंस गई। यह सड़क तीन साल पहले गोराकुंड में 40 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई थी। घटना सोमवार की है। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। इसमें साफ दिख रहा है कि सड़क पर सामान्य आवाजाही चल रही थी, तभी अचानक नीचे से पानी का तेज बहाव आया और सड़क के परखच्चे उड़ गए। जिस वक्त सड़क फटी, वहां से कार, ऑटो और बाइक सवार गुजर रहे थे। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। खौफ के कारण लोग गाड़ियां छोड़कर भागने लगे। पानी के जबरदस्त प्रेशर से डामर और पेवर ब्लॉक उखड़ गए। सड़क के बीचोबीच बड़ा गड्ढा बन गया। जानकारी के अनुसार, गोराकुंड क्षेत्र में पानी की नई लाइन पहले ही बिछाई जा चुकी है। इंजीनियर कनेक्शन जोड़ने के बाद पाइप लाइन की टेस्टिंग कर रहे थे। इसी दौरान पानी के दबाव से सड़क का हिस्सा टूट गया और पानी सड़क पर फैल गया। यह सड़क स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट के तहत विकसित की गई थी। एमजी रोड और आसपास के क्षेत्रों में सड़क सहित कई सुविधाओं पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं।

● मोहन कैबिनेट के बड़े फैसले

लाड़ली बहना के लिए 1.14 लाख करोड़ नर्मदा मिशन और युवाओं को AI ट्रेनिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मध्यप्रदेश कैबिनेट की बैठक में विकास, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, कृषि, जल संरक्षण, खेल और तकनीकी शिक्षा से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में अलग-अलग योजनाओं के लिए अगले पांच वर्षों के वित्तीय प्रावधानों को मंजूरी दी गई। सरकार के अनुसार इन योजनाओं के लिए कुल मिलाकर करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि अलग-अलग योजनाओं पर कई वर्षों में खर्च होगी, इसे एक साल का बजट नहीं माना जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सरकार का फोकस युवाओं को नई तकनीक से जोड़ने, महिलाओं और किसानों को मजबूत करने, स्वास्थ्य सुविधाओं को जारी रखने और प्रदेश में विकास की रफ्तार बढ़ाने पर है।

लाड़ली बहना योजना पांच साल और चलेगी

महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 1 लाख 14 हजार 365 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना को भी जारी रखा जाएगा। इसके लिए 16,326 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना भी वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी। इसमें केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी 60:40 रहेगी। योजना के लिए पांच वर्षों में 2,137 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

स्वास्थ्य योजनाओं पर 11,835 करोड़

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की मौजूदा योजनाओं को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला किया गया है। इसके लिए 11,835 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में चल रही योजनाओं को लगातार जारी रखने में मदद मिलेगी।

युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग, AI की ट्रेनिंग

कैबिनेट ने युवाओं को रोजगार और नई तकनीक से जोड़ने के लिए भी कई फैसले किए हैं। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही अगले एक साल में एक करोड़ युवाओं को AI स्किल का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का जोर युवाओं को बदलती तकनीक और रोजगार की नई जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर है।

विज्ञान-प्रौद्योगिकी का बजट बढ़कर 734 करोड़

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अगले पांच वर्षों के लिए 492 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं को मंजूरी दी गई है। मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि विभाग का बजट पहले 6 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 734 करोड़ रुपये हो गया है। सरकार का दावा है कि इससे तकनीकी विकास, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

नर्मदा के लिए बनेगा 'अविरल मां नर्मदा मिशन'

कैबिनेट ने नर्मदा नदी के संरक्षण और उसके जल को अविरल बनाए रखने के लिए 'अविरल मां नर्मदा मिशन' के गठन को मंजूरी दी है। सरकार के अनुसार प्रदेश की 35 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नर्मदा नदी से जुड़ी है। मिशन के माध्यम से नर्मदा के संरक्षण और जल प्रवाह को बनाए रखने पर काम किया जाएगा।

गांव-गांव और स्कूलों में होगी खेल प्रतिभाओं की तलाश

5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों में खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए प्रदेशभर में टैलेंट हंट अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत गांवों और स्कूलों में प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान की जाएगी। चयनित बच्चों को विशेष प्रशिक्षण देकर उन्हें बेहतर खिलाड़ी बनाने की दिशा में काम होगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं : किया समस्याओं का त्वरित निराकरण

कलेक्टर श्री वर्मा का जताया आभार, किसी ने स्केच तो किसी ने पुष्प-मिठाई भेंट की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए। जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन निरंतर आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित कर रहा है।

जनसुनवाई में प्रतिरक्षक महिला एवं बाल विकास संस्था के कार्यकर्ता श्री मोहित सिंह चौहान ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को स्केच भेंट कर आभार व्यक्त किया। श्री चौहान ने बताया कि गत दिवस एयरपोर्ट क्षेत्र के बिजासन माता मंदिर के सामने स्थित झुग्गी बस्ती में रहने वाले बच्चों के जन्म प्रमाण-पत्र बनाकर वितरित किए गए थे। संस्था की ओर से इस पहल के लिए उन्होंने कलेक्टर श्री वर्मा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जिले का कोई भी बच्चा दस्तावेजों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए।

इसी क्रम में श्रीमती रामा दुबे ने मिठाई एवं पुष्प भेंट कर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। श्रीमती दुबे ने बताया कि वे शासकीय सुभाष स्कूल में कार्यरत हैं और लंबे समय से उनकी क्रमोन्नति नहीं हो रही थी। उन्होंने गत जनसुनवाई में कलेक्टर श्री वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी थी। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश के बाद एक सप्ताह के भीतर क्रमोन्नति संबंधी आदेश जारी हुआ। इसके लिए उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर का आभार व्यक्त किया।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती रंजना इंगोले ने जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि उनके पति स्वर्गीय श्री विजय इंगोले के निधन के बाद परिवार में आय का कोई स्थायी साधन नहीं है और परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों की शिक्षा में भी परेशानी आ रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने उनकी समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना और तत्काल 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवार को भविष्य में ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए आवश्यक सहयोग और शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी विभागीय अधिकारियों ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

केन्द्रीय जेल इंदौर में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। केन्द्रीय जेल इंदौर के सभागृह में 18 अगस्त मंगलवार को प्रजापिता बह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रामबाग इन्दौर द्वारा नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा नशा मुक्त जीवन जीने हेतु बंदियों को प्रोत्साहित किया गया। नशा मुक्ति महाअभियान के तहत बंदियों को संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में कुल 80 बंदियों द्वारा सहभागिता कि गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशा मुक्त जीवन, निरोगी काया, स्वस्थ जीवन यापन करने हेतु प्रोत्साहित करना तथा उक्त कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये प्रेरित करने हेतु बंदियों द्वारा नशा मुक्ति प्रतिज्ञा ली गई।

उक्त कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय जेल के अधीक्षक श्री दिनेश नरगावे के मार्गदर्शन एवं उप जेल अधीक्षक श्री इन्दरसिंह नागर, वरिष्ठ परिवीक्षा श्री अभिषेक दांगी एवं कल्याण अधिकारी सुश्री सोनम बंडोरे, सहायक जेल अधीक्षक की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से बह्माकुमारी छाया तथा चन्द्रकला, श्री संतोष विंचूरकर, श्री संतोष कुमार सम्मिलित हुए।

बाहर से आने वाले घी की गुणवत्ता पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सख्त निगरानी

मां बगलामुखी एंटरप्राइजेज से 1750 लीटर घी जप्त, 18 नमूने जांच हेतु लिए गए

- मंथन एवं श्री आनंद ब्रांड के घी पर कार्रवाई, जप्त घी की अनुमानित कीमत 6.80 लाख

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश में आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की सतत निगरानी की जा रही है।

विशेष रूप से अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने वाले घी एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा डिपो, थोक विक्रेताओं एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूना कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा मां बगलामुखी एंटरप्राइजेज, स्कीम नंबर 51, इंदौर का निरीक्षण किया गया।

गुजरात से निर्मित मंथन एवं श्री आनंद ब्रांड के घी पर कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर मंथन ब्रांड एवं श्री आनंद ब्रांड के घी की विभिन्न पैकिंग एवं साइज विक्रय हेतु संग्रहित पाए गए। प्रतिष्ठान से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त दोनों ब्रांड के घी गुजरात में निर्मित होकर इंदौर आए थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न पैकिंग साइज एवं बैच से संबंधित घी के कुल 18 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए हैं। इन सभी नमूनों को निर्धारित खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों की जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

साथ ही मौके पर उपलब्ध लगभग 1,750 लीटर घी, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 6,80,000 (छह लाख अस्सी हजार रुपये) है, को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक जप्त किया गया है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा बताया गया कि अन्य राज्यों से इंदौर एवं मध्यप्रदेश में आने वाले घी की गुणवत्ता की विशेष निगरानी की जा रही है। इसके अंतर्गत निर्माताओं, डिपो, थोक विक्रेताओं एवं विक्रय प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता एवं निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूपता की जांच कराई जा रही है। लिए गए सभी 18 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार आवश्यक अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अन्य राज्यों से आने वाले घी सहित सभी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा अमानक, मिलावटी अथवा असुरक्षित खाद्य पदार्थों के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

केवल परंपरागत मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय होगा

पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से बनाई जानी वाली प्रतिमाओं के उत्पादन- विक्रय, बाहर ले जाने या बाहर से लाना प्रतिबंधित

इंदौर में मूर्तिकारों की बैठक सम्पन्न - पर्यावरण अनुकूल मूर्ति निर्माण के दिये गये निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशानुसार मूर्ति निर्माण में पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों के पालन हेतु आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में कलेक्टर कार्यालय इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री रोशन राय द्वारा ली गई। इस अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा मूर्तिकार संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में श्री रोशन राय ने प्रदूषण की रोकथाम के लिये राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी की गई गाईड लाईन और निर्देशों के बारे में मूर्तिकारों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मूर्ति निर्माण के संबंध में जारी गाईड लाईन और निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मूर्ति निर्माण हेतु उपयोग की जाने वाली सामग्री एवं प्रक्रिया को पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर विशेष बल दिया गया। मूर्तिकारों को निर्देशित किया गया कि वे भगवान श्री गणेश एवं माता दुर्गा जी की मूर्तियों के निर्माण में केवल उन्हीं प्राकृतिक सामग्रियों का ही इस्तेमाल किया जाये, जैसा कि पुराने ग्रन्थों में उल्लेखित है। मूर्तियों के निर्माण में परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाये। पकी हुई मिट्टी, पी.ओ.पी. (प्लास्टर ऑफ पेरिस) या किसी प्रकार के केमिकल व रासायनिक वस्तुओं का उपयोग मूर्ति निर्माण में किया जाना प्रतिबंधित रहेगा। मूर्ति निर्माण में पी.ओ.पी. के विकल्प के रूप में अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे पेपर आदि का इस्तेमाल किया जाये। मूर्ति पर कलर हेतु केवल प्राकृतिक रंगों व गैर विषाक्त रंगों का इस्तेमाल किया जा सकेगा। किसी भी प्रकार के रासायनिक व विषाक्त रंगों का इस्तेमाल पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। जिले में केवल परंपरागत मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय किया जा सकेगा। परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से बनाई जानी वाली प्रतिमाओं के उत्पादन तथा विक्रय, बाहर ले जाने या बाहर से लाना प्रतिबंधित रहेगा। यदि कहीं मूर्तिकारों द्वारा पूर्व में मूर्तियां निर्मित कर ली गई हो तो परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से पूर्व से निर्मित कर ली गई प्रतिमाओं के वर्तमान स्टॉक की जानकारी लिखित में प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त इस प्रकार की नई प्रतिमाओं के निर्माण को प्रतिबंधित किया गया है। स्थानीय निकाय द्वारा इस संबंध में सत्यापन किया जायेगा।

तीन इमली चौराहे पर आरटीओ एवं यातायात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के नेतृत्व तथा आरटीओ इंदौर श्री प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार की शाम तीन इमली चौराहे पर क्षेत्रीय परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस इंदौर द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यात्री वाहनों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को परिवहन करने वाली वेनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन कर संचालित किए जा रहे लगभग यात्री एवं स्कूली परिवहन वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान एक बस के पास वैध परमिट नहीं पाए जाने पर उसे मौके पर जब्त किया गया। इसके साथ ही विभिन्न अनियमितताओं के चलते अन्य वाहनों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान वाहन संचालकों से कुल 1,31,000 (एक लाख इकतीस हजार रुपये) का जुर्माना वसूल किया गया।

यह कार्रवाई यात्री वाहनों में नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन के उद्देश्य से की गई। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा विशेष रूप से ऐसे वाहनों की जांच की जा रही है, जो बिना आवश्यक दस्तावेजों एवं वैध अनुमति के संचालित किए जा रहे हैं। संयुक्त कार्रवाई में हिंदू सिंह मुवेल, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात इंदौर तथा आरटीओ इंस्पेक्टर आकाश सिटोले उड़नदस्ता प्रभारी इंदौर सहित परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने बताया कि यात्री एवं स्कूली वाहनों की जांच का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर जिले की आईडीएसपी टीम को राज्य स्तर पर किया सम्मानित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले की इंटीग्रेटेड डिसिज सर्विलेंस प्रोग्राम (IDSP) की टीम को स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह भोपाल में सम्मानित किया। यह सम्मान मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने वर्ष 2025-26 में सभी आयामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर डॉ. अंशुल मिश्रा (एपिडिमियोलॉजिस्ट) तथा सुश्री शारदा राय त्रिपाठी (डिस्ट्रीक्ट डाटा मैनेजर) को सम्मानित किया। यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि जिला आईडीएसपी शाखा को वर्ष 2025-26 में 31 अलर्ट की खबर प्राप्त हुई जिसमें से 18 आउटब्रेक कन्फर्म हुए, जिन पर त्वरित कार्यवाही की गई।

बताया गया कि संक्रामक रोगों की समय पर निगरानी, चिन्हांकन, तुरंत कार्यवाही और फॉलोअप के माध्यम से शाखा द्वारा सतत कार्य किया गया, जिससे की स्वास्थ्य की पहुँच, सरल, सुलभ एवं समय पर हुई। विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से बीमारियों के रुझान का विश्लेषण किया गया। साथ ही आईडीएसपी टीम रक्षात्मक उपाय के साथ सतत परामर्श का कार्य द्वारा किया गया। टीम द्वारा समय पर प्राप्त अलर्ट एवं त्वरित कार्यवाही से आमजन को स्वास्थ्य का कवच भी मिला और संक्रामक रोगों पर नियंत्रण भी हुआ। आईडीएसपी शाखा की इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने डॉ. निर्मला अखंड (DSO), डॉ. अंशुल मिश्रा (एपिडिमियोलॉजिस्ट) तथा सुश्री शारदा राय त्रिपाठी (डिस्ट्रिक्ट डाटा मैनेजर) को हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।

द नून अकैडमी में मनाया गया आज़ादी का जश्न

इंदौर। जब तिरंगा बुलंद हुआ, तो पूरा माहौल देशभक्ति के जज़्बे से भर उठा। मौका था द नून अकैडमी में स्वतंत्रता दिवस समारोह का, जो कि बड़े ही शानदार अंदाज़ में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि थे मशहूर हाई कोर्ट एडवोकेट इम्तियाज़ अहमद साहब, जिनकी मौजूदगी ने इस मौके की अहमियत को और बढ़ा दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत झंडारोहण से हुई, जिसके बाद मुल्क की तरक्की और अमन के लिए दुआ की गई। इसके बाद बच्चों ने एक के बाद एक ऐसी पेशकश दीं कि हर आंख में फख़्र और जज़्बा साफ़ नज़र आया। सामूहिक देशभक्ति कविताएं, भाषण, नाटक और नुक्कड़ नाटक — हर प्रस्तुति में आज़ादी की कीमत और उसकी रूह ज़िंदा नज़र आई।

भाषणों में बच्चों की सोच खासतौर पर काबिले-तारीफ़ रही। आक्सा शेख ने 'मैं भारत को 2047 में कैसा देखना चाहती हूं' विषय पर अपने विचार रखे, तो सिदरा फातिमा ने 'असली आज़ादी का एहसास क्या होता है' जैसे गहरे सवाल पर अपने दिल की बात कही। लिज़ा फातिमा खान ने आज़ादी की लड़ाई में मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए एक ऐसा पहलू सामने रखा, जिस पर अक्सर कम बात होती है।

समारोह का एक बेहद खास हिस्सा रहा बेगम हज़रत महल और अवध की आज़ादी की लड़ाई में उनकी भूमिका पर आधारित नाटक। तास्सुमा अंसारी, अल्फिया शेख, इल्मा फातिमा, ज़ारा कुरैशी, मरियम शेख, ज़ारा नूर, खुशी खान और अलीशा मंसूरी ने इसे शेहला खान मैडम की निगरानी में इतनी संजीदगी से पेश किया कि दर्शक इतिहास के उस दौर में खो से गए।

मुख्य अतिथि इम्तियाज़ अहमद साहब ने अपने संबोधन में बच्चों को पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे क्षेत्र में आगे बढ़ने की सलाह दी और कहा कि मुल्क की बेहतर खिदमत के लिए खुद को अभी से तैयार करना जरूरी है। उनकी बातों में एक सज्जन की नसीहत और एक रहनुमा का हौसला, दोनों झलक रहे थे।

कार्यक्रम का सफल संचालन तंज़ीन फातिमा मैडम, सैयद निलोफर मैडम और पूरे स्टाफ़ की मेहनत का नतीजा था, जबकि स्टूडेंट्स माहीन फातिमा और सारा फातिमा ने बतौर एंकर पूरे कार्यक्रम को बखूबी संभाला।

प्रिंसिपल इंशा कुरैशी ने अपने संदेश में बच्चों से कहा कि वे ग़ौर - ओ - फ़िक्र करने वाले बनें और क्लासरूम में जो सीखें, उसे असली दुनिया से जोड़ें क्योंकि यही मुल्क की तरक्की और रिसर्च व डेवलपमेंट में उनका असली योगदान होगा।

निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन के गठन को मंत्री परिषद की हरी झंडी

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के संचालन के लिए 1,14,365 करोड़ रुपए की स्वीकृति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ और जीवनदायिनी माँ नर्मदा के संरक्षण, पुनर्जीवन तथा दीर्घकालीन सतत् प्रबंधन के लिए 'निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन (नमन मिशन)' के गठन की स्वीकृति प्रदान की गयी। इसी तरह मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 734 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

पिछले बीस वर्षों में प्रदेश में वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा बजट में लगभग 150 गुना वृद्धि की गयी है।प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और तकनीकी प्रगति को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी गई। बैठक में राज्य की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं के आगामी वर्षों में निर्बाध संचालन के लिए लगभग 1 लाख 46 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

नमन मिशन की प्रबंधन संरचना

'नमन मिशन' को म.प्र. सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत एक स्वायत संस्था के रूप में पंजीकृत किया जाएगा, जो पूर्व में गठित मंत्रिमंडल समिति, अन्तर्विभागीय कार्यकारिणी समिति और राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की प्राथमिकताओं व अनुश्रवण तंत्र को समाहित कर सुदृढ़ कार्य योजना पर कार्य करेगा। नमन मिशन का प्रशासनिक ढांचा त्रि-स्तरीय रखा गया है।

महिला कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के लिए 1,14,365 करोड़ रुपये, 'मध्यप्रदेश लाड़ली लक्ष्मी योजना' के लिए 16,326.47 करोड़ रुपये और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' के लिए 2,137.65 करोड़ रुपये की वित्तीय निरंतरता को मंजूरी दी गई है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अधोसंरचना विस्तार के लिए 11 हजार 835.35 करोड़ रुपये, कृषि शिक्षा व अनुसंधान के लिए 870 करोड़ 16 लाख रुपये तथा प्रशासनिक कार्य कुशलता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम में 35 नवीन पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है।

'निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन (नमन मिशन)' के गठन की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने प्रदेश को जीवनदायिनी नर्मदा नदी के संरक्षण, पुनर्जीवन और दीर्घकालीन सतत प्रबंधन के लिए 'निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन (नमन मिशन)' के गठन की स्वीकृति दी है। मध्यप्रदेश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नर्मदा नदी और उसके जलग्रहण क्षेत्र पर निर्भर है। इसे ध्यान में रखते हुए इस मिशन को एकीकृत, वैज्ञानिक और बहु-विभागीय संस्थागत व्यवस्था के रूप में विकसित किया गया है।

● जनसुनवाई में आवेदन लेकर पहुंचा था युवक

अचानक चक्कर खाकर गिरा, इलाज के दौरान मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी, एजेंसी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिलें में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। कलेक्टर कार्यालय में हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

बदरवास तहसील के सडबू गांव के रहने वाला एक व्यक्ति अपनी शिकायक लेकर पहुंचा था। इसी दौरान उसे अचानक चक्कर आया और वह नीचे गिर गया। आनन-फानन में प्रशासन ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान बादल यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बादल यादव अपनी पत्नी अतर बाई यादव के नाम से लिए गए उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शन को कोलारस से बदरवास ट्रांसफर कराने का आवेदन लेकर पहुंचा था। आवेदन जमा करने के बाद जैसे ही बादल यादव कलेक्टोरेट परिसर से बाहर निकले, अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। वहां मौजूद लोगों और प्रशासन की मदद से उन्हें तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है किहार्ट अटैक के कारण मौत हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि मौत का सही और सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल प्रशासन ने हादसे की जानकारी उसके परिजनों को दी है।

विधायक शाक्य ने माता सीता को बताया 'मौत का सामान'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। मंगलवार को राज्य स्तरीय बलराम महोत्सव में बीजेपी विधायक पन्नालाल शाक्य ने माता सीता को 'मौत का सामान' बताया। शाक्य ने रामायण, महाभारत और अन्य युद्धों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन युद्धों में पुरुष मारे गए, एक भी महिला नहीं मरी।

पन्नालाल शाक्य की बात सुनकर मंच पर बैठीं चांचौड़ा विधायक प्रियंका पेंची ने बीच में टोका। उन्होंने कहा- भाई साहब आप गलत बोल रहे हैं। नहीं भाईसाहब, ऐसा नहीं है। ये तो गलत बात है। महिलाओं ने भी बलिदान दिए हैं। मैं भी महिला हूं। महिलाओं की बलिदान को भूल रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पन्नालाल शाक्य ने रामायण का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि रावण को उसके भाई ने समझाया था कि पराई स्त्री को ले जाना गलत है। ये तो मौत का सामान है। उसे सम्मान के साथ वापस भेज देना चाहिए।

इसके बाद शाक्य ने कहा कि रामायण के युद्ध में कोई महिला नहीं मरी, बल्कि पुरुष ही मरे। शाक्य ने महाभारत के युद्ध का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि महाभारत के युद्ध में एक करोड़ पुरुष मारे गए, जबकि महिलाएं नहीं मरीं। उन्होंने कहा कि इस बात को समझने की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने पृथ्वीराज चौहान और संयोगिता का उदाहरण दिया। शाक्य ने कहा कि संयोगिता के कारण पृथ्वीराज चौहान के 55 सामंत कन्नौज से दिल्ली तक मारे गए। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं में भी पुरुष मरे, महिलाएं नहीं।

● नर्मदा में डूबे लखनऊ के 4 श्रद्धालु, एक की मौत

ओंकारेश्वर, एजेंसी। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में मंगलवार को नर्मदा नदी के केवलराम घाट पर स्नान के दौरान लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से आए चार श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए। मौके पर तैनात नाविकों, होमगार्ड और SDERF के जवानों ने तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि एक युवक को बचाया नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार, लखनऊ निवासी संतोष (24), अनिकेत (23), कमल किशोर (23) और शुभ उर्फ प्रखर तिवारी (24) नर्मदा नदी में स्नान कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि चारों युवक फोटो और वीडियो बनाने के फेर में निर्धारित सुरक्षित सीमा को पार कर गहरे पानी में चले गए। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार दी जा रही चेतावनियों के बावजूद वे आगे बढ़ते गए। घटना होते ही नाविक मुकेश वर्मा, शंकर वर्मा, होमगार्ड-SDERF जवान नागेंद्र शर्मा और उदय सोलंकी तुरंत नदी में उतरे। उन्होंने संतोष, अनिकेत और कमल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, पानी में डूब चुके शुभ तिवारी को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर घाट पर ही सीपीआर दिया गया।

छात्राओं की बोतलों में मिला दिया पेशाब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। जिले के एक सरकारी स्कूल में कक्षा 5वीं की 10 छात्राओं की बोतल में क्लासमेट्स ने पेशाब मिला दिया। छात्राएं क्लास रूम से बाहर रंगोली बना रही थीं, तभी शरारती छात्रों ने यह हरकत की। छात्राओं ने पेशाब मिला पानी पी भी लिया। घटना सोमवार सुबह की है।

इसके बाद छात्राओं को पता चला कि उनकी पानी की बोतलों में मूत्र मिला दिया गया था। वे रोते-बिलखते हुए स्कूल की प्राचार्य के पास शिकायत लेकर पहुंचीं। इस दौरान प्राचार्य मूलचंद कौशिक ने कहा- मुंह खराब हो गया हो तो 10-10 वाली चॉकलेट खा लो। इसके बाद छात्राएं रोते हुए घर पहुंचीं और स्कूल की घटना की जानकारी दी। मामले की जानकारी लगते ही परिजन गुस्से में आ गए। मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण स्कूल पहुंचे और हंगामा किया। आक्रोशित परिजन ने विरोध दर्ज कराते हुए स्कूल में ताला जड़ दिया। उन्होंने घटना में शामिल दोषी छात्रों और मामले में ढुलमुल रवैया अपनाने की आरोपी प्राचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों और परिजन ने नारेबाजी भी की। स्कूल परिसर में हंगामा बढ़ने और स्थिति तनावपूर्ण होने की सूचना प्रशासन को दी गई।

अवैध संबंधों के सबूतों को नजर अंदाज नहीं कर सकते

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। दिल्ली निवासी एक युवक की शादी छतरपुर की युवती से हुई थी। पति ने पत्नी पर कई पुरुषों से अवैध संबंध होने का आरोप लगाया था। इसी आधार पर उसने पत्नी के कथित संबंधों से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सीडी और उनके ट्रांसक्रिप्ट छतरपुर फैमिली कोर्ट में पेश किए थे। पति का कहना था कि ऐसी परिस्थितियों में वह पत्नी के साथ नहीं रह सकता। हालांकि, फैमिली कोर्ट ने इन साक्ष्यों पर पर्याप्त विचार किए बिना पत्नी को हर महीने 6 हजार रुपए भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। पति ने फैमिली कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। सोमवार को जस्टिस डीडी बंसल की कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए फैमिली कोर्ट का आदेश निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि पति ने पत्नी के कई पुरुषों के साथ अवैध संबंध होने का दावा करते हुए साक्ष्य पेश किए हैं। ऐसे में भरण-पोषण के अधिकार पर फैसला लेने से पहले इन साक्ष्यों की जांच जरूरी है।

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
★NewsPaper★NewsPortal★NewsChannel
www.dgr.co.in
www.detectivegroupreport.com
DGR Detective Group Report
YouTube Detective Group Report
SUBSCRIBE
समाचार, विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें :-9111156060
dgrnewsnetwork@gmail.com

संपादकीय

रणनीतिक मिसाइलें और प्राइवेट सेक्टर

भारत के रणनीतिक हथियार कार्यक्रम में अब प्राइवेट सेक्टर की भूमिका और बड़ी होने जा रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने पहली बार अपने मिसाइल और रणनीतिक सिस्टम से जुड़े हथियारों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए निजी कंपनियों से 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EoI) मांगा है। इसका मतलब साफ है-अब रणनीतिक हथियारों की डेवलपमेंट और प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार सिर्फ सरकारी कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना चाहती। अग्नि सीरीज जैसी रणनीतिक मिसाइलों से लेकर भविष्य के परमाणु हथियार प्रणालियों और पनडुब्बी से लॉन्च होने वाले सिस्टम तक, इस पूरी क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। DRDO के मिसाइल और रणनीतिक सिस्टम विभाग ने अपने द्वारा विकसित मिसाइल और बम हथियार प्रणालियों के उत्पादन के लिए कंपनियों को योग्यता प्रक्रिया में शामिल होने का न्योता दिया है। कंपनियों को उनकी तकनीकी क्षमता, वित्तीय मजबूती और उत्पादन क्षमता के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। शॉर्टलिस्ट होने वाली कंपनियों को बाद में DRDO की ओर से शुरू की जाने वाली अलग-अलग परियोजनाओं के लिए विशेष टेंडर जारी किए जाएंगे। इससे निजी क्षेत्र को रणनीतिक रक्षा उत्पादन की उस श्रेणी में प्रवेश मिलेगा, जिसमें अभी तक सरकारी क्षेत्र की कंपनियों की भूमिका सबसे ज्यादा रही है। फिलहाल रणनीतिक हथियारों के उत्पादन में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की अहम भूमिका है। नई व्यवस्था के तहत निजी क्षेत्र की बड़ी रक्षा कंपनियों को भी इस इकोसिस्टम में शामिल करने की तैयारी है। सोलर एयरोस्पेस एंड डिफेंस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड जैसी स्थापित कंपनियों के उन कंपनियों में शामिल होने की उम्मीद है जिन्हें आने वाले बड़े प्रोजेक्ट सौंपे जा सकते हैं। हालांकि, किसी कंपनी को प्रोजेक्ट मिलने से पहले उसे DRDO की तय योग्यता और क्षमता के पैमाने पर खरा उतरना होगा। DRDO की योजना डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर मॉडल के तहत काम करने की है। इसके तहत प्रत्येक प्रोजेक्ट के लिए कम से कम दो कंपनियों का चयन किया जाएगा। चयनित कंपनियां DRDO के साथ मिलकर टेस्टिंग के लिए प्रोटोटाइप विकसित करेंगी। परीक्षण और विकास का चरण सफल होने के बाद रणनीतिक बलों की ओर से बड़े पैमाने पर सिस्टम का ऑर्डर दिए जाने पर इन्हीं कंपनियों को उत्पादन के ऑर्डर भी मिल सकेंगे। इस मॉडल से एक तरफ उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होगी और रणनीतिक हथियारों की सप्लाई चेन ज्यादा मजबूत हो सकेगी। रणनीतिक हथियारों के उत्पादन से जुड़ी इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कंपनियों को कई कड़े मानदंड पूरे करने होंगे। कंपनी के पास डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल लाइसेंस होना चाहिए।

ज्ञान-विज्ञान

सर्दी आने वाली है, लेकिन इस बार ठंड का तेवर बदला-बदला हो सकता है. अल-नीनो मजबूत हुआ तो पारा सामान्य से ऊपर रह सकता है. चिंता यहीं खत्म नहीं होती, क्योंकि इसका असर 2027 की गर्मी को भी ज्यादा तेज बना सकता है.

इस बार सर्दी के मौसम में गर्मी वाला पारा होगा, अल-नीनो ने बिगाड़ा मौसम का गणित

ठंड का मौसम आने वाला है, लेकिन इस बार सर्दी कुछ कम पड़ सकती है. इसकी एक बड़ी वजह तेजी से मजबूत हो रहा अल-नीनो है. मौसम एजेंसियों के मुताबिक, प्रशांत महासागर के बीच और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म हो चुका है. वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर अल-नीनो और मजबूत हुआ तो 2026-27 की सर्दी कई जगह सामान्य से ज्यादा गर्म रह सकती है. इसका असर 2027 की गर्मी पर भी पड़ सकता है. अल-नीनो में प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है. इससे दुनिया के कई हिस्सों के मौसम में बदलाव आता है. भारत में इसका असर बारिश, मॉनसून और तापमान पर पड़ सकता है. इस बार चिंता इसलिए ज्यादा है क्योंकि अल-नीनो ऐसे समय मजबूत हो रहा है, जब क्लाइमेट चेंज के कारण दुनिया का तापमान पहले ही बढ़ा हुआ है.

सर्दी में तापमान कितना बढ़ सकता है?

अल-नीनो का मतलब यह नहीं है कि हर शहर का तापमान एक तय संख्या से बढ़ेगा. तापमान पर कई दूसरी चीजों का भी असर होता है. इसे आसान उदाहरण से समझिए. अगर दिल्ली में सर्दियों में किसी समय सामान्य तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहता है और मौसम 2 डिग्री ज्यादा गर्म रहता है, तो तापमान करीब 12 डिग्री हो सकता है. इसी तरह जहां तापमान -3 डिग्री रहता है, वहां यह -1 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है. लेकिन ये सिर्फ उदाहरण हैं. अभी यह कहना मुश्किल है कि दिल्ली, चूरू, पटना, श्रीनगर या लद्दाख में तापमान कितने डिग्री तक बढ़ेगा. ठंडी हवाएं, बादल और दूसरे मौसम सिस्टम भी तापमान को प्रभावित करते हैं.

दिल्ली, चूरू और पटना में क्या असर होगा?

दिल्ली और पटना जैसे मैदानी इलाकों में अगर तापमान सामान्य से ऊपर रहा तो ठंड कम महसूस हो सकती है. खासकर रात का तापमान सामान्य से ज्यादा रह सकता है. राजस्थान के चूरू जैसे इलाकों में भी कुछ रातें सामान्य से कम ठंडी हो सकती हैं, जहां सर्दियों में तापमान काफी नीचे चला जाता है.

श्रीनगर और लद्दाख में क्या होगा?

श्रीनगर और लद्दाख जैसे ठंडे इलाकों में भी तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है. हालांकि वहां कितना बदलाव होगा, यह अभी साफ नहीं है. लद्दाख में ऊंचाई और जगह के हिसाब से तापमान काफी बदलता है. इसलिए अभी वहां किसी एक तय तापमान का अनुमान लगाना सही नहीं होगा.

2027 की गर्मी ज्यादा परेशान कर सकती है

अल-नीनो का असर सिर्फ सर्दी तक नहीं रहेगा. वैज्ञानिकों के मुताबिक मार्च से मई 2027 के बीच गर्मी ज्यादा तेज हो सकती है. मजबूत अल-नीनो से भारत में मॉनसून कमजोर हो सकता है और बारिश भी कम या असमान हो सकती है. इससे पानी की कमी और फसलों पर असर का खतरा बढ़ सकता है. ज्यादा तापमान के कारण लू भी ज्यादा परेशान कर सकती है. अभी अल-नीनो के और मजबूत होने की संभावना है. इसका सबसे ज्यादा असर अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच दिख सकता है. इसके बाद 2027 में यह धीरे-धीरे कमजोर हो सकता है. हालांकि इसका भारत के मौसम पर कितना असर होगा, यह आने वाले महीनों में साफ होगा.

New Delhi

● 'एसिड नहीं लगा' तो क्या अपराध नहीं हुआ ?

कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला, तलाकशुदा पत्नी पर हमले की कोशिश में पति दोषी

नई दिल्ली, (एजेंसी) एसिड अटैक से बच गई, शारीरिक चोट नहीं लगी, फिर भी अपराध हुआ... कोर्ट ने मंगलवार को एक व्यक्ति को अपनी तलाकशुदा पत्नी पर एसिड फेंकने की कोशिश का दोषी ठहराते हुए यह बात कही। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील को कानूनी रूप से गलत बताते हुए खारिज कर दिया और जोर दिया कि कानून कोशिश के चरण में ही दखल देता है।

इसे 'जेंडर-बेस्ड हिंसा का बर्बर रूप' बताते हुए, एडिशनल सेशन जज हरगुरविंदर सिंह जग्गी ने कहा कि एसिड अटैक न केवल शारीरिक दर्द देते हैं, बल्कि ये 'पीड़ित की पहचान को खत्म करने की एक सोची-समझी, दुर्भावनापूर्ण कोशिश' हैं और पीड़ितों को 'जीवन भर शारीरिक प्रताड़ना, गहरे भावनात्मक सदमे और पूरी तरह से सामाजिक बहिष्कार' की स्थिति में धकेल देते हैं।

यादव से अलग रह रही थीं। विनीता ने आरोप लगाया कि वह नशे की हालत में उनके माता-पिता के घर के बाहर आया और उन पर पीला तरल पदार्थ फेंकने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने जल्दी से गेट बंद कर लिया और अंदर से कुंडी लगा ली, जिससे तरल पदार्थ फर्श पर गिर गया, जिसकी बाद में एसिड के रूप में पुष्टि हुई।

बचाव पक्ष की इस दलील को खारिज करते हुए कि चोट न लगने का मतलब है कि कोई अपराध नहीं हुआ, कोर्ट ने कहा कि भले ही चोटें 'बिल्कुल न लगी हों', अगर कोशिश की गई थी तो अपराध पूरा हो गया था। कोर्ट ने महिला की सूझबूझ की सराहना की, जिसने चेहरा खराब होने से बचाया। कोर्ट ने हमले से दो दिन पहले दर्ज कराई गई उसकी लिखित शिकायत पर भी भरोसा किया

Maharashtra

फडणवीस सरकार का बड़ा फैसला

रक्षा बंधन से लागू होगा धर्म स्वतंत्रता कानून, जबरन धर्मांतरण पर सात साल तक की सजा

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने राज्य में महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026 लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। गृह विभाग से 17 अगस्त को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार यह कानून 28 अगस्त 2026 से प्रभावी हो जाएगा। राज्य सरकार ने अधिनियम की धारा 1(2) के तहत अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके लागू होने की तारीख निर्धारित की है। सरकार के अनुसार, इस कानून का उद्देश्य जबरदस्ती, दबाव, धोखे, प्रलोभन या अन्य अवैध तरीकों से कराए जाने वाले धर्म परिवर्तन पर रोक लगाना है।

नए प्रावधानों के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति का धर्म परिवर्तन कराने के लिए बल, छल या लालच का सहारा लेता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया गया है और यह अपराध गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है। कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे निर्धारित प्राधिकारी के समक्ष 60 दिन पहले आवेदन देना होगा। इसके बाद नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राज्य सरकार के फैसले में सबसे अधिक चर्चा उस प्रावधान को लेकर हो रही है, जिसमें कथित तौर पर धोखे, छल या केवल धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से किए गए विवाह के मामलों का उल्लेख किया गया है। ऐसे मामलों में विवाह की वैधता और उससे जुड़े कानूनी प्रभावों पर विशेष प्रावधान रखे गए हैं। जानकारी के अनुसार, अगर विवाह केवल धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया पाया जाता है, तो जन्म लेने वाले बच्चे की धार्मिक पहचान के संबंध में मां के विवाह पूर्व मूल धर्म को आधार माना जाएगा।

New Delhi

देहरादून में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, हिमाचल में चूना पत्थर खान ढही, तीन मजदूर दबे

नई दिल्ली, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में मंगलवार को बारिश और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। उत्तराखंड के कोटद्वार में भारी बारिश के दौरान पहाड़ों से आए मलबे से एक मकान ढह गया, जिसके मलबे में दबने से एक दो वर्षीय बच्चे और वृद्धा की मौत हो गई, जबकि एक पुरुष की तलाश जारी है। वहीं एक महिला को सुरक्षित बचा लिया गया। हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश के चलते सिरमौर में चूना पत्थर की खान ढह गई, जिसमें तीन मजदूर दब गए, जबकि लाहौल-स्पीति में तीन जगह बादल फटने से कई सड़कें बह गईं, जिससे नीलकंठ यात्रा पर निकले श्रद्धालु और किसानों के वाहन फंस गए हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को देहरादून और बागेश्वर में भारी से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। देहरादून में भारी बारिश के चलते स्वारना नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से ट्रेकिंग पर गए यूपीईएस यूनिवर्सिटी के छह छात्र बीच नदी में फंस गए। एसडीआरएफ टीम करीब छह किमी मुश्किल रास्तों को तय कर मौके पर पहुंची और रस्सों के सहारे सभी छात्रों को सुरक्षित उफनती नदी से बाहर निकाला।

Jharkhand

JSSC , JPSC : झारखंड CGL समेत 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द, 6 स्थगित और 17 की जांच CID को

रांची, (एजेंसी) झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर 25 दिनों से चल रहे आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की विशेष बैठक में लिए गए फैसलों के आलोक में मंगलवार देर रात अधिसूचना जारी कर दी गई। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार जेएसएससी-सीजीएल समेत 22 प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। वहीं, 2014 से अब तक जेपीएससी व जेएसएससी के जरिए हुई 17 परीक्षाओं, परिणामों और नियुक्तियों की जांच सीआईडी करेगी।

छह परीक्षाएं स्थगित भी की गई है। इसके साथ ही सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला लिया है। सरकार के फैसले का बड़ा असर जेएसएससी-सीजीएल पर पड़ा है। एसआईटी जांच और सीआईडी अनुसंधान में आए तथ्यों के आधार पर इसे रद्द किया गया है।

खेल

चक दे इंडिया!

भारत की बेटियों ने दर्ज की हॉकी वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी जीत, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ठोके धुआंधार गोल

नई दिल्ली। एफआईएच महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से करारी शिकस्त दी। चीन के खिलाफ अपना पहला मुकाबला 2-2 से ड्रा खेलने के बाद भारत ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और विश्व कप इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। नीदरलैंड्स के एम्स्टेलवीन स्थित वैगनर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल-डी की तालिका में चीन को पछाड़कर टॉप पर पहुंच गई है।

मैच के पहले क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय डिफेंस की कमियों का फायदा उठाकर कुछ अच्छे मौके जरूर बनाए, लेकिन पहला गोल भारत के नाम रहा। खेल के 11वें मिनट में साक्षी राणा ने अफ्रीकी डिफेंडरों के बीच से गेंद को बेहद खूबसूरती से निकाला

और सुनेलिता टोप्पो ने दूर वाले पोस्ट पर मुस्तैदी दिखाते हुए गेंद को गोलपोस्ट के भीतर धकेल कर भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया और दो और गोल दागे। क्वार्टर की शुरुआत (दूसरे मिनट) में ही नवनीत कौर ने अपने शानदार ड्रैग-फ्लिक से गेंद को सीधे नेट में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 10वें मिनट में सुशीला चानू की ओर से लगाए गए शॉट पर अफ्रीकी गोलकीपर के प्रयास के बावजूद गेंद रेखा के पार चली गई जिससे भारत हाफ-टाइम तक 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंच गया। तीसरे क्वार्टर में भारतीय फॉरवर्ड्स का आक्रामक रूप देखने को मिला, जहाँ टीम ने लगातार तीन गोल दागकर मैच को दक्षिण अफ्रीका की पहुंच से पूरी तरह बाहर कर दिया। 8वें मिनट में बलजीत और नवनीत के बेहतरीन मूव पर दीपिका ने शानदार फिनिशिंग दिखाते हुए चौथा गोल किया। इसके बाद 14वें मिनट में लालरेमसियामी ने डी-एरिया में मिली गेंद पर रिवर्स-स्टिक से जबरदस्त शॉट लगाकर पांचवां गोल किया, जबकि 15वें मिनट में इशिका का शॉट पोस्ट से टकराकर लौटने पर साक्षी रानी ने रिबाउंड पर टॉप-कॉर्नर में बेहतरीन गोल दागकर स्कोर 6-0 कर दिया। अंतिम और चौथे क्वार्टर के 10वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से कायला डी वाल ने गोल दागकर अपनी टीम का खाता खोला। हालांकि अंपायर ने वीडियो रेफरल के जरिए स्टिक के संपर्क की पुष्टि की, लेकिन अंत में गोल को मान्यता दी गई। भारत ने 6-1 से इस शानदार मुकाबले को अपने नाम किया और अपने गोल अंतर को बेहतर करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले अगले महत्वपूर्ण मैच के लिए अपने हौसले बुलंद कर लिए हैं।

सिनेमा

बाबा रामदेव की कंगना रनौत को खरी-खरी, 'गटर छाप' बयान पर बोले- उनके कारनामे और जवानी कैसी रही? बिगड़ा दिमाग है

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने Gen Z की आलोचना करते हुए उन्हें 'गटर छाप' जेनरेशन कहा था, जिस पर खूब बवाल मचा था और अब बाबा रामदेव ने भी इसकी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं को 'गटर छाप' बोलना बिगड़े दिमाग की निशानी है। साथ ही उन्होंने कंगना के बचपन और जवानी पर भी तीखी टिप्पणी की और कहा कि बीजेपी को कंगना के बयान पर एक्शन लेना चाहिए। बता दें कि नीट पेपर लीक मामले में जंतर-मंतर पर चले छात्रों के प्रदर्शन के बाद कंगना ने एक पोस्ट में Gen Z को 'गटर छाप' कहा था। खूब विवाद होने के बाद भी उन्होंने अपने बयान का बचाव किया था और कहा था कि जेन जी के कुछ बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां को गंदी गालियां दी थीं। तो वो कौन से बच्चे थे, जो ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे और किस लिहाज से वो स्टूडेंट थे? कंगना के 'गटर छाप' बयान के बारे में पूछे जाने पर बाबा रामदेव ने 'टीवी9' को दिए इंटरव्यू में कहा, 'उनकी क्वालिफिकेशन क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। ऐसे किसी भी देश के जवानों को और Gen Z को गटर-पटर बोलना, ये बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। गलत बात है।

Highlights

1. Floods hit 173 villages in UP's 13 districts, over 84,000 affected
2. SC asks Centre to trace ship captain missing after Hormuz attack
3. Ferris Wheel's cabin crashes mid-ride at Lucknow fair; incident caught on camera
4. TVK MLA brings newborn baby to TN Assembly, CM Vijay seen caressing the child
5. Students protest against proposed merger of school with Kendriya Vidyalaya in Bhopal
6. Jharkhand govt cancels 44 recruitment exams over irregularities
7. ED raids SP leader Azam Khan's Trust and university in UP

Health insurance claim denied? Here are 3 important ways you can avoid rejection

NEW DEIHI, (Agency). You've bought health insurance. But getting the policy is only the first step. IRDAI data shows that roughly one in every four rupees claimed from health insurers in 2024-25 was not paid, either because the claim was disallowed or repudiated.

If the first step is getting adequate health cover, the second is making sure you fill in the proposal form carefully and understand the policy conditions. These steps can reduce the risk of a claim being rejected or the eventual payout falling short of the hospital bill.

Insurance can be complicated, but there are several things within your control. The most important are choosing the right product and insurer, providing complete and accurate information when buying the policy, and understanding what the policy does (and does not) cover.

A comprehensive policy from an insurer with a strong claims record is a good starting point. But even the right policy may not pay the full hospital bill, with minimal out-of-pocket expenses, unless you get three things right.

1. Declaring pre-existing conditions

Not disclosing pre-existing conditions accurately in the proposal form can create problems later. If you are admitted for a planned treatment or surgery related to a pre-existing condition that you did not disclose, the insurer may reject the claim.

Even in an emergency, doctors and nurses may ask you and your accompanying relative detailed questions about your health history and current habits. That is when discrepancies between what was disclosed when the policy was bought and what emerges during treatment can become an issue.

Puneet Oberoi, CEO, Finwise Services Pvt Ltd, said: "People think that hypertension or diabetes are normal and skip adding these details while filling up the health insurance application.

गला घोंटकर पत्नी की हत्या बेटा-बेटी को तालाब में फेंका

8 साल का बच्चा बचकर बाहर आया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कनाड़िया में सोमवार (17 अगस्त) देर रात एक व्यक्ति ने गला घोंटकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। झलारिया गांव का सुनील पिता रामावतार चौहान (37) पेशे से ड्राइवर है। पत्नी अनीता बाई (32) की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी दोनों बच्चों माही (10) और अजय (8) को हिंगोनिया गांव के पास स्थित तालाब में ले गया और उन्हें फेंक दिया। अजय किसी तरह तालाब से बाहर निकल आया। इसके बाद उसने वहां से गुजर रही कनाड़िया FRV टीम को घटनाक्रम की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी सुनील को झलारिया गांव से राउंडअप कर लिया। पूछताछ में उसने पत्नी पर चाकू से हमला करने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर महिला का शव बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बच्चों को तालाब में

फेंकने की जानकारी भी दी। इसके बाद SDRF टीम को मौके पर बुलाकर रातभर सर्चिंग अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान बेटी माही का शव तालाब से बरामद कर लिया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पत्नी अनीता बाई (32) के अन्य लोगों से बातचीत करने को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से कलह चल रही थी। अजय ने बताया, "मेरे पापा ने मेरी मां को मार डाला। पापा पहले मम्मी को छोड़कर आए थे। इसके बाद मुझे और मेरी बहन को लेकर गए। उन्होंने पहले मुझे तालाब में फेंक दिया और फिर मेरी बहन को उठाकर तालाब में फेंक दिया। मेरी बहन की मौत हो गई, लेकिन मैं बच गया। पैसे के चक्कर में पापा और मम्मी के बीच लड़ाई हुई थी। पापा ने मम्मी और दीदी को भी तालाब में डाल दिया। मैं अकेला नदी पार करके आया हूं। शुरुआती जांच में अनीता के शरीर पर चाकू के निशान मिले हैं और गला घोंटने की बात भी सामने आई है। माही की मौत गहरे पानी में डूबने से होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों की पुष्टि की जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी सुनील रात में भागने की तैयारी में था। पुलिस की टीम उसके घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। उसे पकड़ने के लिए टीम बनाई गई। तलाश के दौरान वह इलाके में घूमता मिला, जिसके बाद पुलिस ने उसे पहचानकर हिरासत में ले लिया। घटना की सूचना मृतका और बच्ची के परिजन को दे दी गई है।

'लोकायुक्त से होनी चाहिए निगम के नामांतरण घोटाले की जांच'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर निगम के नामांतरण घोटाले को लेकर कांग्रेस ने जांच लोकायुक्त पुलिस को सौंपने की मांग की है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने आरोप लगाया कि नामांतरण घोटाले की जांच में भी घोटाला हुआ है। जांच रिपोर्ट में कुछ छोटे कर्मचारियों को दोषी ठहराया गया, लेकिन इतने बड़े मामले के मास्टरमाइंड और बड़े जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट नहीं की गई। दरअसल, मंगलवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने मीडिया से चर्चा में आरोप लगाते हुए कई सवाल भी उठाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मामला सिर्फ अनियमितता का नहीं, बल्कि धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का है। इसलिए निगम कमिश्नर को पूरी जांच फाइल लोकायुक्त पुलिस को सौंपनी चाहिए, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके और घोटाले के तार कहां तक जुड़े हैं, इसका खुलासा हो सके। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 356 संपत्तियों के रिकॉर्ड में मालिकों के नाम बदल दिए। मामला सामने आने के बाद नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसके आधार पर कुछ कर्मचारियों के निलंबन और कुछ की सेवा समाप्ति की कार्रवाई की गई है। कांग्रेस का सवाल है कि यदि 356 संपत्तियों के रिकॉर्ड बदले गए तो इस पूरे नेटवर्क को संचालित करने वाला मास्टरमाइंड कौन है? जांच रिपोर्ट में इसका स्पष्ट जवाब नहीं है। चिंटू चौकसे और सोनिला मिमरोट ने कहा कि जांच रिपोर्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को खत्म करने की कोशिश की जा रही है, जबकि इतने बड़े स्तर पर संपत्तियों के रिकॉर्ड में बदलाव बिना किसी बड़े स्तर की मिलीभगत के संभव नहीं है।

पथरी के ऑपरेशन के चार दिन बाद महिला की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पथरी के ऑपरेशन के चार दिन बाद 25 वर्षीय पूजा सिसोदिया की मौत हो गई। जब इसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई तो इलाज की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान सर्जरी का रास्ता 10वीं-11वीं पसलियों के पीछे से होते हुए डायफ्राम और दाहिनी किडनी के बाहरी हिस्से तक पहुंचा था। पोस्टमॉर्टम में डायफ्राम में करीब 0.7×0.6 सेंटीमीटर का आर-पार सर्जिकल घाव मिला। दाहिनी पीठ के निचले हिस्से में करीब 1.3 सेंटीमीटर लंबा सर्जिकल घाव भी मिला, जिसमें एक टांका लगा था। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों ने अपनी राय में लिखा- ये तथ्य सर्जिकल प्रक्रिया में इलाज करने वाले डॉक्टर की 'स्किल की कमी' की ओर इशारा करते हैं। हालांकि, विसरा रिपोर्ट अभी आना बाकी है। परिजन के मुताबिक, पूजा को 22 जुलाई को दूधिया स्थित नोबल अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया था। 23 जुलाई को एमवाय अस्पताल के यूरोसर्जन डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने उनका ऑपरेशन किया। इसके बाद पूजा का यूरिन आना बंद हो गया। परिजन ने डॉक्टर को इसकी जानकारी दी, लेकिन उन्हें स्थिति सामान्य बताते हुए जल्द ठीक होने की बात कही गई। इस दौरान पूजा के हाथ-पैर पर काले रंग के घाव भी दिखाई देने लगे। हालत में सुधार नहीं होने पर 25 जुलाई को उन्हें जूनी इंदौर स्थित एवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने यूरिन में संक्रमण की जानकारी दी। इलाज के दौरान 26 जुलाई को पूजा की मौत हो गई।

लोखंडे ब्रिज के पास गंदगी करने पर

गांव का समोसा पर किया 20 हजार का स्पॉट फाइन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शहर में किसी भी प्रकार का कचरा एवं गंदगी करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज जोन क्रमांक 3 वार्ड क्रमांक 57 के अंतर्गत लोखंडे बीच के पास चौपाटी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कचरा एवं गंदगी पाए जाने पर सहायक सी.एस.आई जुगल किशोर कल्याण एवं दरोगा विक्की लोड द्वारा गांव का समोसा दुकान पर रुपए 20 हजार का स्पॉट फाइन किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक